Raga of the Month September 2022 Raga NandShankara

राग नन्दशंकरा

कल्याण, भैरव, सारंग, मल्हार, कानडा, तोड़ी, बहार आदि रागोंके मिश्रणसे बने रागों से हम परिचित हैं। उसी तरह राग शंकरा का मूल स्वरूप रखते हुए उससे बने हुए अनेक जोड़ राग हैं। मगर राग शंकराके ये अलग जोड़ राग-प्रकार मैफिलोंमे क्वचितहि गाये जाते हैं। पिछले कुछ भागोंमें हमने शंकराके ऐसे जोड़-राग सुने हैं। अप्रैल महिनेमे हमने राग शंकराबिहाग/ शंकराबरन तथा मई महिनेमे राग शंकराकरणका, जून महिनेमे राग गौरीशंकरका और जुलाई महिनेमे राग शिवतिलकका परिचय कर लिया और उन रागोंके गायनके नमुने सुने। आज हम राग नन्दशंकराका परिचय कर लेंगे और गायनका नमूना सुनेंगे। यह राग पंडित छोटा गन्धर्वजीकी निर्मिति है। यह राग शंकरा और नंदका संमिश्रण है। राग नन्दशंकरामे दोनों मध्यम और बाकी सब स्वर शुद्ध लगते हैं।

राग नन्दशंकराकी विशेष स्वर पंक्तियाँ -

सा ग , प , सा ग प, ध प ग, प रे सा, सा ग म म प, प, ग म प ध नि ध प , ध मं प ग, प मंग रे सा , प नि नि सां, प नि सां गं रें सां, रें नि ध प, प ध नि ध प, प ध मं प, ग म प मंग रे सा

राग शंकराके अन्य जोड़ रागोंका निर्माण बुजुर्ग गायकोंने किया है- वे हैं :

शंकराहरण- ग्वालियर घराना परंपरा - शंकरा और हमीरका जोड़;

बसंतीशंकरा - (पंडित छोटा गन्धर्व निर्मित)- शंकरा और बसंतका जोड़;

जयतशंकरा - स्वर्गीय गायनाचार्य पं रामकृष्ण बुवा वझे की किताब संगीत-कला-प्रकाशमें इस रागका वर्णन मिलता है- शंकरा और जैत कल्याणका जोड़। इत्यादि।

राग नन्दशंकराके आज के ऑडियो में हम पंडित छोटा गन्धर्वजी का गायन सुनेंगे।

आभार- पं. यशवंत महाले; पं. दिग्विजय वैद्य, पं. विश्वनाथ ओक , औरंगाबाद

०१-०९-२०२२

Link to the list of 140+ Raga of the month articles -

@ Archive of ROTM Articles - http://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx